



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 238]

नई दिल्ली, सोमवार, जून 18, 1990/ज्येष्ठ 28, 1912

No. 238]

NEW DELHI, MONDAY, JUNE 18, 1990/JYAISTHA 28, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

विश्व संसार

(राजस्व विभाग)

अभिप्रेत

नई दिल्ली, 18 जून, 1990

सं. 22/90-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क (एन.टी.)

सा.का.नि. 576 (अ) — केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसा प्रथा के अनुसार जो  
केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) के अधीन केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण  
का शासक (जिसके अन्तर्गत उक्त उद्ग्रहण संविदा जाता है) साधारणतया प्रचलित थी, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क  
नियम अधिनियम, 1985 (1985 का 5) की प्रवृत्ति के अन्तर्गत 28 के अन्तर्गत आने वाले स्वर्ण से विनिर्मित  
और इलेक्ट्रॉनिक उद्योग में प्रयुक्त होने वाले गैर-पॉलिशयुक्त मायनाइड पर उत्पाद-शुल्क जो कि उक्त गैर-

पोटेशियम सायनाइड के निर्माण में प्रयुक्त स्वर्ण के मूल्य पर उद्घाटनशाय उत्पाद-शुल्क के बराबर है, 1 जून 1981 को प्रारंभ होने वाली और 16 जुलाई, 1987 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उद्घाटित नहीं किया गया था।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, प्रथम वर्णित अधिनियम की धारा 11B द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निर्देश देती है कि ऐसे गोल्ड पोटेशियम सायनाइड पर उत्पाद-शुल्क जो कि प्रथम वर्णित अधिनियम के अधीन गोल्ड पोटेशियम सायनाइड के निर्माण में प्रयुक्त स्वर्ण के मूल्य पर उद्घाटनशाय के बराबर है यदि उक्त प्राय न होता, उक्त उत्पाद शुल्क ऐसा गोल्ड पोटेशियम सायनाइड की बाबत संदत्त किया जाता अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त प्राय के अनुसार पूर्वोक्त अवधि के दौरान उक्त उत्पाद-शुल्क उद्घाटित नहीं किया गया था।

[फा. सं. 120/19/88-मोएक्स 3]

एन. वी. बी. राव, जवर सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

### NOTIFICATION

New Delhi, the 18th June, 1990

NO. 22/90-CENTRAL EXCISES (N.T.)

G.S.R. 576(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on gold potassium cyanide, manufactured from gold and used in the electronic industry and falling within Chapter 28 of the Schedule to the Central Excise Tariff Act, 1985 (5 of 1986), as is equivalent to the duty of excise leviable on the value of gold used in the manufacture of such gold potassium cyanide, was not being levied under section 3 of the first-mentioned Act, during the period commencing on the 1st day of June, 1981 and ending with the 16th day of July, 1987;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the first-mentioned Act, the Central Government hereby directs that the duty of excise on gold potassium cyanide, as is equivalent to the duty of excise payable on the value of gold used in the manufacture of such gold potassium cyanide under the first-mentioned Act, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such gold potassium cyanide on which the said duty of excise were not levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 120/19/88-CX 3]

M. V. B. RAO, Under Secy.

Printed by the Manager, Govt. of India Press, Ring Road, New Delhi-110064

and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054, 1990